MP Board Class 9th Hindi Navneet Solutions गद्य Chapter 1 व्याख्यान

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
भारत में जन्म लेने पर विवेकानन्द जी को क्यों अभिमान है?
उत्तर:
भारत में जन्म लेने पर विवेकानन्द जी को इसलिए अभिमान है क्योंकि इस देश में सभी धर्मों एवं देशों को सम्मान दिया जाता है।

प्रश्न 2.
स्वामीजी ने शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन में व्याख्यान के प्रारम्भ में किन शब्दों से श्रोताओं को सम्बोधित किया?
उत्तर:
अमेरिकावासी बहनों तथा भाइयो।

प्रश्न 3.
शुद्धता, पवित्रता और दयाशीलता के विषय में स्वामीजी ने क्या कहा है?
उत्तर:
शुद्धता, पवित्रता और दयाशीलता के विषय में स्वामी जी ने कहा है कि ये बातें किसी सम्प्रदाय विशेष की एकाधिकार प्राप्त सम्पत्ति नहीं है।

प्रश्न 4.
पृथ्वी हिंसा से क्यों भरती जा रही है? कोई दो कारण दीजिए।
उत्तर:
पृथ्वी हिंसा से इसलिए भरती जा रही है कि बहुत समय तक इस पृथ्वी पर साम्प्रदायिकता, हठधर्मिता और धर्मान्धता ने अपना शासन जमा लिया है। इसके दो प्रमुख कारण हैं-साम्प्रदायिकता और धर्मान्धता।

प्रश्न 5.
स्वामी जी के अनुसार भारत के लोग दूसरे धर्मों को किस रूप में स्वीकार करते हैं।
उत्तर:
स्वामी जी के अनुसार भारत के लोग दूसरे धर्मों को उसी रूप में स्वीकार करते हैं जिस प्रकार समुद्र विभिन्न दिशाओं से आने वाली नदियों को अपने में समा लेता है।

प्रश्न 6.
स्वामी जी के अनुसार शीघ्र ही प्रत्येक धर्म की पताका पर क्या लिखा मिलेगा?
उत्तर:
स्वामी जी के अनुसार शीघ्र ही प्रत्येक धर्म की पताका परं लिखा मिलेगा-"सहायता करो, लड़ो मत।"

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
विभिन्न धर्मों के सम्बन्ध में स्वामी जी ने क्या विचार दिए हैं? लिखिए।
उत्तर:
विभिन्न धर्मों के सम्बन्ध में स्वामी जी ने कहा है कि जैसे विभिन्न नदियाँ भिन्न-भिन्न स्रोतों से निकलकर समुद्र में मिल जाती हैं उसी प्रकार सभी धर्म परमात्मा में आकर मिल जाते हैं, एक हो जाते हैं।

प्रश्न 2.
साम्प्रदायिकता, हठधर्मिता और धर्मान्धता ने मानवता को क्या हानि पहुँचाई है?
उत्तर:
साम्प्रदायिकता, हठधर्मिता और धर्मान्धता ने मानवता को कलंकित किया है। इन्होंने पृथ्वी पर हिंसा को जन्म दिया है तथा ये मानवता को रक्त से नहलाती रही हैं। इन्होंने सभ्यता को गर्त में डाल दिया है।

प्रश्न 3.
लेखक ने बीज के माध्यम से धर्म की किस विशेषता की ओर संकेत किया है?
उत्तर:
लेखक ने बीज के माध्यम से धर्म की अच्छाई, सद्‌गुणों को प्रचार-प्रसार करने, सुख-समृद्धि आने आदि विशेषताओं की ओर संकेत किया है। साथ ही धर्म, दूसरे धर्मों की अच्छी बातें ग्रहण करे और अपनी विशेषताओं को बनाये रखे।

प्रश्न 4.
स्वामी जी किस पर अपने हृदय के अंतस्तल से दया प्रदर्शित करते हैं?
उत्तर:
स्वामी जी उस व्यक्ति पर अपने हृदय के अंतस्तल से दया प्रदर्शित करना चाहते हैं जो व्यक्ति ऐसा स्वप्न देखता हो कि सारे धर्म तो नष्ट हो जाएँगे केवल मेरा ही धर्म जीवित रहेगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1.
मानव समाज की उन्नति में कौन-कौन से तत्व बाधक रहे हैं? इन बाधक तत्वों ने कौन-कौन सी हानियाँ पहुँचाई हैं?
उत्तर:
मानव समाज की उन्नति में साम्प्रदायिकता, हठधर्मिता और धर्मान्धता बाधक रहे हैं। इन तत्वों ने पृथ्वी को सदैव हिंसा से भरा है तथा इनके कारण ही मानवता बार-बार रक्त से नहाती रही है। इन्होंने ही सभ्यता को विनष्ट किया है और इन्हीं ने देशों को निराशा के गर्त में डाले रखा है।

प्रश्न 2.
भारत ने संसार को कौन-सी दो बातों की शिक्षा दी है? विस्तार से लिखिए।
उत्तर:
भारत ने संसार को सहिष्णुता एवं सार्वभौमिक स्वीकृति नामक दो शिक्षाएँ दी हैं। भारतवासी केवल सब धर्मों के प्रति सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते हैं अपितु वे सभी धर्मों को सच्चा मानकर स्वीकार करते हैं।

प्रश्न 3.
निम्नांकित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए
(अ) शुद्धता, पवित्रता ..... जन्म दिया है।

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर:
लेखक कहता है कि शिकागो (अमेरिका) में आयोजित इस सर्वधर्म सभा की सबसे महान् उपलब्धि यह रही है कि उसने इस विचार को सही सिद्ध कर दिया है कि शुद्धता पवित्रता और दयाशीलता किसी एक सम्प्रदाय विशेष की एकाधिकार प्राप्त पूँजी नहीं है अपितु इसने सभी धर्मों से सद्विचारों को पाला-पोषा है, उसने श्रेष्ठ चरित्रवान स्त्री-पुरुष की सृष्टि की है।

(ब) यदि यहाँ कोई ..... असम्भव है।
उत्तर:
लेखक कहता है कि यदि कोई मनुष्य या जाति यह विश्वास करती है कि समाज में एकता तभी आ सकती है जब हम अपने धर्म को तो विजय दिला दें और दूसरे धर्मों को नष्ट करवा डालें तो उनकी यह सोच नितान्त मूर्खतापूर्ण और असम्भव है।

(स) बीज भूमि में ..... वृक्ष हो जाता है।
उत्तर:
लेखक कहता है कि जब हम बीज को भूमि में बो देते हैं और यथासमय उसे हम मिट्टी, वायु और जल से संयुक्त कर देते हैं तो वह बीज उचित समय पर अपनी वृद्धि के नियम के अन्तर्गत ही एक विशाल एवं हरा-भरा वृक्ष बन जाता है। वह बीज न तो मिट्टी बनता है और न ही वह जल या वायु बनता है। वह तो जल, वायु और मिट्टी को अपने में पचाकर तथा पृथ्वी को फोड़कर अपने नये रूप अर्थात् वृक्ष रूप में प्रकट हो जाता है।

भाषा अध्ययन

प्रश्न 1.
निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ स्पष्ट करते हुए अपने वाक्यों में प्रयोग लिखिए
धूल में मिलना, दावा करना, गर्त में मिला देना।
उत्तर:
(i) धूल में मिलना-पूरी तरह नष्ट हो जाना।
वाक्य प्रयोग-जो धर्म दूसरे धर्मों के प्रति घृणा फैलाता है वह स्वत: धूल में मिल जाता है।

(ii) दावा करना-अपना प्रभुत्व दिखाना।
वाक्य प्रयोग-दूसरे धर्मों के प्रति सहिष्णु रहकर ही हम अपने धर्म की श्रेष्ठता का दावा कर सकते हैं।

(iii) गर्त में मिला देना-मिट्टी में मिला देना।
वाक्य प्रयोग-हम श्रेष्ठ गुणों के बल पर ही अत्याचारियों को गर्त में मिला पायेंगे।

प्रश्न 2.
निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो
नदी, समुद्र, वायु, वृक्ष, मिट्टी, जल।
उत्तर:
नदी – सरिता, तटिनी।
समुद्र – वारिधि, जलधि।
वायु – मरुत, पवन।

वृक्ष – पादप, विटप।
मिट्टी – मृत्तिका, धूल।
जल – नीर, तोय।

प्रश्न 3.
निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिएविजय, विनाश, जल, प्रातः, उन्नत।।
उत्तर:

शब्द	विलोम
सवेरा	शाम
शुचि	अशुचि
बूढ़ा	जवान
हर्ष	शोक, दु:ख।

प्रश्न 4.
निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी सुधारकर लिखिए।
उत्तर:
वीभत्स = बीभत्स; आवृत्ति = आवृत्ति; अवणनिये = अवर्णनीय;
सौहार्द्र = सौहार्द्र।

प्रश्न 5.
निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय को लिखिए
सहिष्णुता, ज्ञापित, बचपन, आन्तरिक, मूर्तिमान।
उत्तर:

सहिष्णुता में 'ता'; ज्ञापित में 'इत' बचपन में 'पन'; आन्तरिक में 'इक': मूर्तिमान में 'मान'।

प्रश्न 6.
निम्नलिखित उपसर्ग जोड़कर दो-दो वाक्य बनाइए
अ, सम्, सु, अनु, वि, अभि।
उत्तर:
अ – असत्य, अधर्म।
सम् – सम्मान, सम्यक।
सु – सुपुत्र, सुपात्र। अनु
अनु – अनुमति, अनुयायी।
वि – विज्ञान, विशेष।
अभि – अभ्यास, अभिसिक्त।

https://www.evidyarthi.in/